



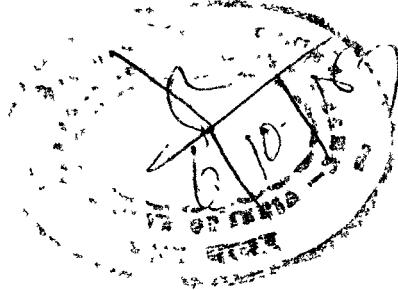
भारत का दाखला पत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकरण से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 155]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 16, 1987/आषाढ 25, 1909

No. 155]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 16, 1987/ASADHA 25, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना 201-आई.टी.सी. (पी.एन.) / 85-88
नई दिल्ली, 16 जुलाई, 1987

विषय—जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा विस्तारित पं. बंगाल राज्य विद्युत बोर्ड (डब्ल्यू. बी. एस. ई. बी.) की तीस्ता नहर हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 8,025 विलियन येन के येन क्रेडिट के अंतर्गत उपस्कर और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

फाइल सं. आई.पी.सी./23 (34) /85-88—जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा विस्तारित पं. बंगाल राज्य विद्युत बोर्ड (डब्ल्यू. बी. एस. ई. बी.) की तीस्ता नहर हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 8,025 विलियन येन के येन क्रेडिट के अंतर्गत आयातों पर शासित शर्तें जो इस सार्वजनिक सूचना के परिसिद्ध में दी गई हैं, जानकारी के लिए अधिसूचित की जा रही हैं:

ह.।—

(राजीव सूचन मिश्र), मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रित
एम. पी. धूर, उत्तर मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना संख्या 201-आई.टी.सी. (पी.एन.) / 85-88 दिनांक 16-7-87 का परिचिन्त।

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा प्रदान किए गए पश्चिम बंगाल राज्य विद्युत बोर्ड (डब्ल्यू. बी. एस. ई. बी.) की तीस्ता नहर हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 8,025 विलियन के येन क्रेडिट के अंतर्गत उपस्कर और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंस शर्तें।

खण्ड—1 सामान्य शर्तें—

1. (1) पश्चिम बंगाल राज्य विद्युत बोर्ड (डब्ल्यू. बी. एस. ई. बी.) की तीस्ता नहर हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना की आंशकाता आवश्यकताओं को वितान करने के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा प्रदान किया गया 8,025 विलियन का शृण भारत सहित जापान और विकासशील देशों के लिए लुला है। तदनुसार इस क्रेडिट के अधीन अधिग्रात ही जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और भनुवन्ध—I की सूची में उद्दृत सभी देशों से आयात की जा सकती है। ये देश इस शृण के अंतर्गत पात्र स्वीकृत देश होंगे।

1. (2) क्रेडिट के अधीन केवल उही मदों और उसी भूत्य के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महानिवेशालय तकनीकी विकास/भूजीगत माल समिति द्वारा विशेष 'प से निकासी कर दी गई हो। इस क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस (सों) येन

का गूल 8.83 वित्तियन (लागत वीमा-भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए।

आपात लाइंसों का रूपये में रक्ष्य, शत्रव्य विभाग (से अनुभाग) द्वारा अधिकूचित विभिन्न तर और अंतराल लाइंसेन यारी करने की तिथि लो प्रतिक्रिया तर और मुक्त विभिन्न, व्यापारी-भाड़ा वारी की भी गई भावनामित लाइंस रा. 78-प्र०८, दो. भा. (वि. पत.)/74, वित्तिक 6 ज्य. 1974 के लो-2 के अनुमार आपात लाइंसेन में संदर्भिक दर पर निर्धारित किया जाएगा, जितने यह उल्लेख है कि वीमा-मूल्क प्राधिकार और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आपात लाइंसेन (सों) में विभिन्न दुष्कालिन दर पर लाइंसेन मूल्य ने नामें बालेगा। लाइंसेन पर एक भीर्वंश "जापानी मूल्य रा. ब्राइ. भी. पी. 40 होगा"। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइंसेन में "एस.ज.सो." कोड होगा। प. वेस्टल राज्य विद्युत बोर्ड को आपात लाइंसेन भेजने समय मुक्त नियन्त्रक, आपात-नियन्त्रित होने पक्ष में भी हो देने दुर्दया जाएगा, प्रियका एक प्रति विन मंत्रालय आधिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पृथक्कित की जानी चाहिए।

1. (3) लागत-वीमा-भाड़ा के अधार पर केवल पं. वंगल राज्य विद्युत बोर्ड के नम. में साइंसेज जारी किया जा सकता है।

1. (4) आपात लाइंस की भुविद्या पर नियंत्रक द्वारा त्रुटि के अधिक आपात लाइंसेन डिंडिके आरंभ जारी किए जा रहकर है। सेक्टिक, कुल मूल्य येन 8.83 वित्तियन (लागत वीमा भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए जो सा कि अपर पैरा 1(2) में कहा गया है।

1. (5) आपात लाइंस की वीधान, में वृद्धि अधिकारी द्वारा आपात विभाग के पर 12 महीनों की और आपात की अवधि के लिए दी जा सकती है। आगे और वृद्धि करने के लिए/जो आपात लाइंसेन जारी करने के लिए यदि कोई अवैदेन हो तो उने आधिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1. (6) क्रॉडिट के अधीन वित्तियन किए जाने वाले आपात/आपात लाइंसेन प्राधिकारी द्वारा विधिवत् संत्यकित संलग्न माल और सेवाओं की भूमी तक प्रतिवेदित है।

1. (7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेण्य की अनुमति आपात लाइंसेन के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकारी के कमीशन के प्रति कोई भी सुगतान गारंटी अधिकारी को भारतीय रूपये में किया जाना चाहिए। लेकिन, ऐसे सुगतान लाइंसेन मूल्य के ही भाग होने और लाइंसेन पर ही प्रभावित किए जाएं।

1. (8) पक्के आदेश अनुबंध—I में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी गवर्नरों को जहाज पर नियुक्त के अधार पर दिए जाने चाहिए और वे आपात लाइंसेन को होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर आधिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को जो दिए जाने चाहिए। वीमा प्रभाग का सुगतान भारतीय रूपये में भारत में देय होगा। "पक्के आदेशों" का अर्थ विदेशी संभरकों को भारतीय लाइंसेनधारी द्वारा दिए गए उत्तराधिकारों से है जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् उत्तराधिकारित होते हैं या भा. तीय आपातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् उत्तराधिकारित का अधीन होता है। विदेशी संभरकों के भारतीय अधिकारीकों पर आपात अधिकारीकों द्वारा पुष्टिकरण आदेन स्वीकार्य नहीं है।

1. (9) आपात महीनों की अवधि के भीतर डेशों भी इस जर्त का तत्र तक अनुगमन किया जाना नहीं समझा जाएगा जब तक कि डेशों के पूर्ण वस्त्रवेद्य आपात लाइंसेन जारी होने की तिथि से बार महीनों के भीतर विन मंत्रालय, आधिक कार्य विभाग, बृहत्य. ई.-१ अनुभाग को नहीं पहुंच जाते हैं 2 वि उपर्युक्त पैरा-1(6) में यथा उल्लिखित पक्के आदेशों भारत महीनों के भीतर वैष्ण कारणों से नहीं दिए जा सकते हैं तो इन कारणों

का उल्लेख करो तुम्हे आपात विभागीय को भवत लाइंसेन और सम्बद्ध लाइंसेन शामि नहीं है। प्रत्युप तर देना चाहिए। लाइंस देने की अवधि में पूँछ के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइंसेन प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विवार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों तक और अधिक के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि वृद्धि इन लाइंसेन के जारी दोल का तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए मात्री जाती है तो ऐसे प्रत्यावरण स्थान द्वारा विवार किया जाएगा (जापान अनुभाग), नार्थ ब्लाक, नई विद्युती को देने जाएं जो कि दीपी पूँछ के लिए प्रत्येक मासमें को पात्रता के आधार पर विवार करते और अपना निर्णय लाइंसेन प्राधिकारियों को देंगे। डिस्को देने लाइंसेनधारी को प्रेसिट देंगे। लाइंसेनधारी द्वारा लाइंसेन प्राधिकारियों से भेजने पैसी वृद्धि प्रश्न करते बाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विमानीय पवारिज्जी शायात लाइंसेन के अधीन नियंत्रण भाग में वैक गारंटी लाइंसेन स्थापेत करने के लिए प्रावितारः पत्र तुम्हे यमा लाइंसेन आदि को स्वृत्ति को मुद्रिधारी को जनूमति देंगे।

1(10) आपात लाइंसेन की विभागित से बार महीनों के भीतर सभी भुगतान अवधिय रूपे कर देने चाहिए। माल के पोतलदान पर अलग-अलग भगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। डेश में नकद आधार पर अधिकृत पोतलदान दस्तावजों के प्रस्तुत करते पर सुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए विद्युती संतरक से भारतीय आपातक की किसी भी किस्म की भूल्य सुविधा उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण की अधिकृति ने लिए डेश में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए:--

"साथ-पत्र का प्राप्ति के बाव--महीने परस्तु प्रधिक से अधिक के अन्त सक पूर्ण किया जाता है।"

पोतलदान के लिये आविरों अवधि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 30-6-1991 के बाव की न हो।

ध्यान-2 सम्बरण डेश का ममतानी करते समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बाबें--

2(1) डेश का जहाज पर्यन्त नियुक्त मूल्य/लागत एवं भाड़ा मूल्य येन में (येन को भिन्न के बिना) अभिव्यक्त होना चाहिए और इसमें भारतीय अधिकारी का कमीशन यदि कोई हो तो यह शामित नहीं होगा चाहिए जो कि भारतीय रूपये में पक्का होना चाहिए।

भारतीय राये भा. किसी भाग मूल्य में डेश का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। भाग आदेश और संभरक द्वारा पुष्टिकरण आदेश के अंतर्गती में होना चाहिए।

2(2) अण की धनराण में से वित्र विभित की जाने वाले सभी मान और गोवाओं की अविवाहिति, निम्नलिखित परियुक्त निर्धारणों सहित इस के अद्वितीय अधिगति के मार्ग-रूपों के अनुमार की जानी गी:—

(क) कम से कम 300 मिलियन येन के अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिकारिति के मामले में—

(1) यदि पूर्ण अर्थात् भारतीय अधिकारी अधिकारिति के प्रत्येक मासमोदन के लिये ओ.ई.सी.एफ. को आवेदन पत्र प्रस्तुत करते उससे पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा।

(2) एकल व्याविकार को निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले ओरी गूम्बकन रिपोर्ट गते निर्णय के अनुमोदन के लिये आवेदन पत्र ओ.ई.सी.एफ. को प्रस्तुत किया जायेगा। निर्णय और ओरी गूम्बकन के अनुमानित के लिए उपर्युक्त आवेदन पत्र के साथ-साथ प्रहृता की मूल्यांकन रिपोर्ट, ओरी-

कारों को दिये गये नोटिस और अनुरोध, बोलो प्रपत्र, प्रस्तावित ठेका विशिष्टिकरण और ड्राइंग और बोलो से संबंधित अन्य दस्तावेज औ.ई.सी.एफ. को भी पुनरीक्षा के लिये प्रस्तुत किये जायेंगे।

(ख) 300 मिलियन येन से कम अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में ठेके के निर्णय के लिये औ.ई.सी.एफ. के पूर्व अनुमोदन की इस शर्त पर आवश्यकता नहीं है कि निविदा की खेत्रे उचित रूप से विभाजित की गई हों। लेकिन यदि औ.ई.सी.एफ. अनुरोध करे तो निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट आदि उसको पुनरीक्षा के लिये प्रस्तुत की जायेंगी।

(ग) परमर्शदाताओं की नियुक्ति, परमर्शदाताओं की नियुक्ति के लिये मार्गदर्शनों, के अनुसार की जायेगी। परन्तु निम्नलिखित के लिये औ.ई.सी.एफ. का पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा:—

- (1) संदर्भ की शर्तें
- (2) परमर्शदाताओं की संक्षिप्त सूची
- (3) आमंत्रण-पत्र
- (4) संक्षेप मूल्यांकन शीट सहित मूल्यांकन रिपोर्ट ड्राफ्ट संविदा
- (5) ड्राफ्ट संविदा।

(घ) आयातक उपर्युक्त (क)(1), (क)(2) और (घ) में उल्लिखित आवेदन पत्र आयातक दस्तावेज आर्थिक कार्य विभाग को दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा जो आगे उसे औ.ई.सी.एफ. को भेजेगा।

(2) (3) विदेशी संभरक को भुगतान, उनके नाम में भारतीय बैंक, टोकियो, द्वारा 1986-87 के लिये औ.ई.सी.एफ. येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई टी पी-40 के अधीन खेले गये अपरिवर्तनीय साधापत्र के माध्यम से किया जाना चाहिये। जिसका व्यौरा नीचे खण्ड-6 में दिया गया है।

(2) (4) आयात लाइसेंस के प्रति केवल एक ही संविदा की जानी चाहिये। लेकिन कुछ विशेष मामलों में एक से अधिक संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है जिसके लिये आयात ता.इसें सं.ज.री होने की तिथि के तुरन्त बाद वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (ज.प.न अनुभाग) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिये।

2(5) संभरक की पावता।

संभरक पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिक होने या पात्र स्रोत देशों में शामिल किये गये तथा पंजीकृत किये गये पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा शामिल वैध व्यक्ति होंगे।

2(6) अपात्र स्रोत देशों से अनुमेय आयात

जिन वस्तुओं में अपात्र स्रोत देशों में बनी हुई सामग्री निहित हैं उसका वित्तान किया जा सकता है बशर्ते कि आयातित भाग निम्नलिखित सूचे के अनुसार ऐसे उत्पाद का प्रति एक मूल्य के 30 प्रतिशत से कम हो:—

आयातित लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य—आयात भुक्त

× 100

संभरक का जहाज पर निःशुल्क मूल्य

(भारतीय संभरक के मामले में कारखाना मूल्य अपताया जायेगा)

2(7) संविदा में घोषणा

प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा भाल एवं संभरक की प्रशंसा और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जायेगी:—

“मैं, अधीक्षता करते हुए कि संभरित, किया जाने वाला माल (संभरित पात्र स्रोत देश का नाम) में उत्पादित है।

मैं, औ.ई.सी.एफ. द्वारा दिये गये विशेष आवश्यकता और विशेषत के अनुसार आवाद स्रोत देशों से आवादित भाग निम्नलिखित सूचे के अनुसार 30 प्रतिशत से कम है:—

आयातित लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य + आयात भुक्त

× 100

संभरक का जहाज पर निःशुल्क मूल्य

(जहां कारखाना मूल्य लागू हो)

और

मैं, अधीक्षता करते हुए कि संभरित करता हूं कि (पात्र स्रोत देश का नाम) में (कम्पनी का नाम) समाविष्ट और पंजीकृत हो चुकी है और पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा नियंत्रित है।

खण्ड—3 संभरण ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें

3(1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समाविष्ट होने चाहिये।

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निष्ठि (ओ.ई.सी.एफ.) के बीच तांत्रिक नहर हाड़ो इलेक्ट्रिक परियोजना के लिये येन क्रेडिट सं.आई.टी.पी.-40 (परियोजना सहायता) से संबंधित 18 दिसम्बर, 1986 को हुए क्रृत समझौते के अनुसार हीनी चाहिये और यह भारत सरकार और विदेशी आर्थिक सहयोग निष्ठि के अनुमोदन के अधीन होगा।

(ख) संभरकों को भुगतान, भारत सरकार और जापानी विदेशी आर्थिक सहयोग निष्ठि (ओ.ई.सी.एफ.) के बीच येन क्रेडिट सं.आई.टी.पी-40 से संबंधित 13 दिसम्बर, 1986 को हुए क्रृत समझौते के अन्तर्गत बैंक आक इंडिया, टोकियो द्वारा जारी किये जाने वाले अपरिवर्तनीय साधापत्र के माध्यम से किये जायेंगे।

(ग) विदेशी संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिये सहमत होगा जो एक ओर भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओ.ई.सी.एफ. द्वारा येन क्रृत के अधीन अपेक्षित हों।

(घ) 2(7) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाणपत्र (तीन प्रतियों में)।

(ङ) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरक संविदा के संवेद में एक धारा होगी यहां तक कि जापानी संभरक भारतीय इलावास, टोकियो के परामर्श पर पोत पत्रिहात अवश्य लगते के लिये तदृश है और इस उद्देश्य के लिये यह भारतीय इलावास, टोकियो को, शामिल माल की सुपुर्दीयों के कार्यक्रम से अवधारण करायेगा और पोतलदान से कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय इलावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहां भारतीय आयातक इच्छुक हो, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोतलदान के पश्चात् आवश्यक बौरे देते हुए तार से सूचना भेजने के लिये सहमत होना चाहिये और उसको एक प्रति भारतीय इलावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिये।

खण्ड—4 ओ.ई.सी.एफ. द्वारा ठेके की पुनरीक्षा

4(1) लाइसेंसदारी को देने वाले विदेशी देशों के लिये निर्धारित अवधि के प्रति आयातक और विदेशी संभरकों द्वारा विवित हस्ताक्षर

ठेके की भार प्रतियों जो विदेशी संभरकों द्वारा लिखित में पुष्टि भारत के साथ हों या उसकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों संगत वेद्य भायात लाइवेंस की दी फोटो प्रतियों सहिल और परिशिष्ट-2 के प्रपत्र में “भायातक पत्र जारी करने के लिये आवेदन की दों प्रतियों” भार्यिक कार्य दिवाना को भेजनी चाहिये।

4(2) उर्युक्त क्रियाविधि सभी ठेकों के लिये और ठेकों की विधि वस्तु के लिये अनिवार्य आवधनों के कारण संशोधनों या उसकी कीमतों पर भी लागू होंगी।

4(3) वित मंत्रालय (भार्यिक कार्य विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के निर्गत का नोटिस औ.ई.सी.एफ. को पुनरुत्थान के लिये भेजेगा। प्रत्येक नोटिस की एक प्रति भार्यिक कार्य विभाग द्वारा भारतीय दूतावास टोकियो को और भायात लाइवेंस की फोटो कार्य और “भायातक पत्र जारी करने के लिये आवेदन” की एक प्रति के साथ औ.ए.ए.ए.ए. के कार्यालय को भेजेगा।

बाण्ड-5 विदेशी संभरकों को भुगतान—साथ पत्र क्रियाविधि

5(1) वित मंत्रालय, भार्यिक कार्य विभाग से ठेके के निर्गत का नोटिस और ठेके के दस्तावेज पात्र होने पर सहायता देखा जाया जेका परीका नियन्त्रक, वैक भाफ ईडियो की टोकियो शाखा को संवोधित संलग्न अनुबन्ध-3 में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेता जिसमें वैक भाफ ईडियो की टोकियो बोर्ड वर्क्स विदेशी संभरक के नाम में संक्षिप्त अनुबन्ध-4 (भायातों के लिये) के प्रपत्र में या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिये) के प्रपत्र में एक अन्विततोय, साख्यवत जोड़ेगी। भायातक पत्र की प्रतियो औ.ई.सी.एफ. भारतीय दूतावास, टोकियो, भायातक के वैक भाफ ईडियो द्वारा भुगतान की जायेगी।

5(2) प्राधिकार-पत्र भिन्ने पर, भारतीय वैक, टोकियो अनुबन्ध-4 (भायातों के लिये लागू) या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिये लागू) के अनुसार संवित विदेशी संभरकों के नाम में अन्विततोय साख्यवत की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी भार्यिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) भारतीय दूतावास टोकियो, भारत में भायातक के वैक और सहायता देखा जाए परीका नियन्त्रक को भी भेजेगा।

सी.ए.ए.ए.ए. से प्राधिकार पत्र के प्राधार पर साख्यवत खोलने के लिये उर्युक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन या अन्यथा के लिये भायातक समझे जावे जाते ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/साख्य पत्रों के संशोधनों पर स्वतः लागू होती है।

5(3) माल का पौत्रवान करने के बाद विदेशी संभरक अपने वैकों के माध्यम से मालापत्र में उल्लिखित दस्तावेज सुगतान के लिये वैक भाफ ईडियो, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। जो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके वैकरों के माध्यम से दिया करेगा और उसके बाद उक्त धनराशि की प्रतिपूर्वि विदेशी प्रार्थिक निधि से प्राप्त करेगा।

5(4) साथ पत्र खोलने, उसके प्रवीन खोने करने और यदि कोई विदेशी संभरकों के वैकों के प्रन्थ प्रभारीों के लिये वैक भाफ ईडियो, टोकियो को देय वैकिंग प्रभार प्रभार भायातक/विदेशी संभरकों द्वारा चुकाये जायेंगे संविदा मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) के द्रव्यवार धनराशि की प्राप्ति होने पर ओ.ई.सी.एफ. द्वारा एक वर्णनयुक्त पत्र जारी किया जायेगा। मह धनराशि ओ.ई.सी.एफ. द्वारा एक वर्णनयुक्त पत्र/प्रियवार्ता विधियों से स्वतः प्रदा की जायेगी। भायातक भी ओ.ई.सी.एफ. से या देखा परीका विवरक वित मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर अन्वितवद्वारा वैकों के इस पत्र के तुल्य रूपया भारत सरकार के लेखे में जमा करना पड़ेगा। ओ.ई.सी.एफ. को भुगतान की निधि

म और रूपया जमा करने की तिथि तक (दोनों दिन मिलाकर) का व्याज भी भायातक द्वारा भालू वर पर भदा किया जायेगा।

भायातक द्वारा इस प्रकार 0.10 प्रतिशत के खर्चों भी प्रतिपूर्वि क्रिया के अधीन देय है। विदेशी संभरकों को भायातों की लागत के भूतान की तिथि से ओ.ई.सी.एफ. द्वारा पत्रिति की लार्टेज तक की गिने जाने भालू प्रविधि के लिये भारतीय बैंक, टोकियो को देय व्याज के खर्चे भारत के सम्बद्ध भायातक बैंक द्वारा भारत के लेखे को प्रभावित किये जिन सामान्य बैंकिंग चेनल के माध्यम से भारतीय बैंक, टोकियो को प्रेषण करके नव तिथि जायेगा।

5(5) प्रतिपूर्वि क्रिया-विधि —भारतीय संभरकों से माल एवं सेवाओं की व्यापारिक विधि के लिये अर्थ की धनराशि के विवरण के लिये क्रिया विधि, अर्थ वामों के नाम तथा की गई प्रतिपूर्वि क्रिया-विधि के अनुसार होती है।

बण्ड-6 रूपया निषेप करने के लिये उत्तरवाचित्य

6(1) भारतीय बैंक, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र में परिशिष्ट में सेवाका अनुसार भायातक के प्राविकृत बैंकर को नियन्त्रवाद करने से प्रकाम्य अनुज्ञा रानी दस्तावेज दिया होने से पहले इस बात का सुनिश्चय करेगा कि भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली वा भारतीय स्टेट बैंक, लीम हजारी, दिल्ली में रूपया निषेप कर दिया गया है। प्रथम 30 दिनों के लिये समय-समय से भालू वर्तमान 12 प्रतिशत प्रति वर्ष के हिसाब से गिनते गई मैन भुगतान के ममतुल्य राये के लिये भाज प्रभार और उसके प्रधिक की प्रधवि के लिये वात्तविक रूपया निषेप की तारीख से विदेशी संभरकों को बैंक भाफ ईडियो, टोकियो द्वारा भुगतान की तारीख तक 1.8 प्रतिशत की वर से प्रभार भी मूल धनराशि के साथ सर्वजनिक मूल्या सं. 31-प्राई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार जमा कराने पड़ेंगे। इस बात को नोट कर लिया जाना चाहिये कि इन दोनों दिनों ग्राहत जिस तारीख को भुगतान किया जाता है और जिस तारीख को सार्वजनिक सूचना सं. 103-प्राई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 31-प्राई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 द्वारा यथा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74, प्राई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 के अनुसार व्याप्र किया जायेगा। भायातक की संभरकों की किये गये भुगतान की धनराशि और तारीख का नियन्त्रण करने के लिये अलग से अवस्था करनी चाहिये। भारतीय बैंक टोकियो से भायातक के वैक द्वारा पांत परिवहन आवि दस्तावेजों की देरी से प्राप्ति को रूपया निषेप पर देय व्याज की भाग्यक और पूरी धनराशि की कूट के लिये स्वीकार नहीं किया जायेगा। विदेशी संभरकों की किये गये ये भुगतान के मनतुल्य राये की गणना करने के लिये अपनायी जाने वाली विनियम की दर भुगतान की तारीख को लागू विनियम की यह मिश्रित वर ही जो सार्वजनिक सूचना सं. 109-प्राई-टी-सी (पी एन)/74, दिनांक 3-8-74 और सं. 8-प्राई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 में नियन्त्रित तरीके के अनुसार नियन्त्रित की गई ही जो मूल्य नियक भायात-नियति की सार्वजनिक सूचनामें के भाग्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम परिपत्रों के भाग्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर पोषित की गई ही।

इस संबंध में और व्याज की वर से ममता में भी जब भी कोई परिवर्तन भायातक होगा भायात्यूकित कर दिया जाएगा। वह सुनियन्त्रित करने के लिए भारतीय बैंक की जाम्मेवारी ही देय धनराशि भायातकों को भ्राने वस्तावेज मौजूदे से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। भायातक को भी यह सुनियन्त्रित कर देना चाहिए कि देय धनराशि अपने वस्तावेजों से दस्तावेजों की मुद्रिती लेने से पहले मरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा करना चाहिए है। यह सुनियन्त्रित करने के लिए भायातक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि सहमारी खाते में ठीक

प्रकार से बुरात जमा दी गई है जिसे ही जब वे विशेष परिवर्णियों के अस्तुत तीस युक्त प्राक्तिकार्यों में माल को सुरुची प्राप्त करने में है। यदि आयातक सरकार को देव धनराशि को माल की सुरुची जैसे से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राक्तिकार पर वेता भवत कर दिया जाए और नमते की रपोर्ट मुश्व नवीकरण, आयात-नियन्त्रण को ही जाए ताकि देव आयातक को आगे आर आयात नाइसेंस जारी न किय जाए। जिस लेका शीर्ष में उत्तर्वत निशेष किया आप्ना वह "के विशेषित प्राक्तिकार 843 सिविल विशेषित-हिपोजिटस फार पर-वेतिज एट स्ट्रो एशोड अप्टिक वेटिज-सोल इंजीमेंट" "जोन फोम दि वन-मेंट आफ जागम 8 025 विशेष येन शेट सं आई थी पी -40 कार ए "तीस्ता नहर टाइटो इतेटिक परिवर्तन" होना चाहिए।

6(2). ऊर उल्लिखित धनराशि या यो भारतीय, "विवेक वेक, नई दिल्ली में या स्टेट वेक आफ इंजिया, नीम जारी, दिल्ली में आलान के ऊर दार्हनी और कलने में बोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए वरकार की साथ में सार्वजनिक सूचना में 184-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 30-8-68 यं० 233-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-1968, म. 132-आई टी री (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971, म. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-1974 और सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित त्रिवेत में जमा दूना चाहिए।

6(3). भारत सरकार, विश संवालय, आयिक कार्य विभाग हारा ऐसी भाँग किए जाने के बाव सात दिनों के भान्तर मध्यम आंतरिक बैंक भी ऊपर निर्धारित तथाके से यह अतिरिक्त धनराशि सेवाओं के निमित्त भेजेगा तो विश संवालय (आयिक कार्य विभाग) द्वारा मारी जाए। आलान के विभिन्न कालमों को भरते समय आयातकों/उनके बैंकरों को इस बात का सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी री (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के पैरा-2 में निर्धारित सूचना आलान के कामभ "धन परेण्य और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्यापे में" निरपाद रूप में निर्दिष्ट किए गए हैं। आलान आलान में निर्धारित और निरपाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए:

- (क) विवेक संवालय की प्राधिकार पर संधार और विनांक।
- (ख) येन मूदा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपवाह गई अस्तित्वन को दर के साथ निशेष किए जाते हैं।
- (ग) निवेदी संबंध को भुगतान करने की नियम।

उसके पश्चात सी. प. ए. ए. एड. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र का संदर्भ वेते हुए और विजिक तथा पोत परिवहन वस्तवेजों को संलग्न करते हुए आजाना आलान र. जमा करने का समय वेते हुए पंजीकृत आक द्वारा सी. प. ए. ए. एड. ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी:—भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह का निशेष भारतीय बैंक टोकियो को आयाती की सूचना और प्राप्तिकर्तीय पोतलदान वरतावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपाद रूप से किया जाना चाहिए। और यह कि इसके तत्काल बाद सी. प. ए. ए. एड. ए. विश मद्दालय (आयिक कार्य विभाग), नई दिल्ली को सुनिश्चित कर दिया जाएगा।

6(4). भारत में सम्बद्ध भारतीय नेक को लाइसेंस मुदा विशेष नियमण प्रति वर उपयोग निकेपों की वर्तीय का पूर्णांकन करना चाहिए और अपेक्षित "एक्स" प्रॅम्प भारतीय रिजर्व बैंक, बार्को को भेजना चाहिए। बार्क-3 विवेष अधिकारी।

6(5). भायात नाइसेंस के उपयोग करने की रिपोर्ट भारतीय नेक को भोवतान और उसके भवीत किए गए भुगतान और शीर धनराशि

के बारे में साथ पत्र छोलने के बाव एक भासिक रिपोर्ट सहायता देका एवं लेखा परीक्षा नियंत्रण, आयिक कार्य विभाग, विश संवालय यू. सी. औ. बैंक ब्रिंजिङ, संमत मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

6(6). सभन्को को विशेष जनी के बारे में अधिवृत्ति करना।—लाइसेंसवारी के आयात लाइसेंस में दिए गए किसी उन विशेष उपबन्धों से संबंधक को अवगत करा देना चाहिए जो माल के लाने में संबंधक पर प्रभाव भलती है।

6(7). विवाइ-ए-एस नाइसेंस विवाइ-ए-एस लाइसेंसवारी और सभन्कों के भीत्र कोई विवाइ उडेंगा तो उनके निए भारत गरकार कोई उत्तरदायिक नहीं लेती। आलान बैंक, टोकियो द्वारा किए गए यह भुगतान में पहले संबंध द्वाग पूरो की जाने वाली गई अनुबन्ध-2 में "भुगतान की गई" के अन्तर्गत भ्रष्टी उत्तर से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। संविधा की जनी में विवाइ के नियन्त्रण से सम्बद्ध अवश्यार्थ जानिन होनी चाहिए।

6(8). भविष्य अनुदेश:—भायात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ जाए होने वाली किसी सामने या भवीत सामलों से संविधा या जापानी प्राधिकारियों के साथ ये: हेतु अन्यों (रिगोना नायाता) म. आई टो. पी. -40 के प्रवान सभी आलानों को विवेदी प्राक्तिक नियम नियम जापान (श्री. ई. सी. ए.) के साथ पूर्ण गरने के लिए भारत सरकार द्वारा सम्बन्ध समय पर जारी किए गए नियेषों, अनुदेशों या आदेशों का लाइसेंसवारी को तुरन्त पालन करना होगा।

6(9). अनुबन्ध:—उत्तरदायित या उत्तरदायित के संबंध में गई शर्तों के प्रतिशमग या उत्तरदायित करने पर आयात-नियम (विवाइ) अधिनियम के अधीन उचित घारंवाई की जाएगा।

6(10). अनुबन्धों की सूची:—

1. अनुबन्ध-1	पाल स्कोल देशों की सूची
2. अनुबन्ध-2	प्राधिकार पत्र ज.री करने के लिए अनुरोध
3. अनुबन्ध-3	प्राधिकार पत्र क. प्रपत्र
4. अनुबन्ध-4	साथ पत्र का प्राप्त (आलानों के लिए लागू)
5. अनुबन्ध-5	साथ पत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू)

अनुबन्ध-1

पाल स्कोल देशों की सूची

(क) विकासशील देश तथा उनके क्षेत्र

(क-1) विवेदी आयिक सहयोग से विश विकासशील देश

1. अफोका, उत्तरी महारा

मिथ

मोगोका

तुनीशिया

2. अफोका, दक्षिणी महारा

जोगोला, बैनिन

फीयेलन

बाद

मध्य चिन्हि (1)

बागा

कीरिया
 माल, गामी गणतंत्र
 मार्टिनिया, मारीश
 पुर्वगांती गिनी ए
 बांगा
 सिलरा लिपोत
 स्टीजीलैण्ड
 युगांडा
 बाहरे गणतंत्र
 बोस्प, ना
 कैप बर्मी द्वीप समूह
 कमारो द्वीप समूह
 इथोपिया
 गिनी
 सेतोबो
 चालाबो
 मुजिमिक

टियनियम
 सेनेगल से
 सोमालिया
 टेरी बाहरे ओहु इस्सास
 तंजानिया, गणतंत्र संघ
 जामिया
 बुर्की
 केन्याय अकीका गणतंत्र
 गांगोक, बाहुसे का गणतंत्र
 जामिया
 भाइवरो कोस्ट
 साइपरिया
 माली
 नाइजर
 रोडेशिया
 सेप्पिलिज
 सूडान
 टोगो
 अपर बोल्टा

3. अमेरिका, उत्तरी और केन्द्रीय
 बहुमत
 बर्मा
 डोमिनिकन गणतंत्र
 ग्वाटेमाला
 अमेका
 नीदरलैण्ड अमिलीज
 नेप्तुनिया और निकोलात

(क) सह संबंध राज्य (1)
 (ख) अमिक्र (2)
 बारबांडीज

कोस्टारिका
 एत सालवांडोर
 ब्रैटो
 माटिनिक
 निकाराग्या
 द्विनीजाक और द्वीवागो
 बेलाइज
 ब्रूना
 बुवाडे ओप
 होन्डरस
 मैक्रिस्को
 पनामा
 वैल एडीज (पारा) एन बाई ई

(1) पहले स्थेतो गिनी का प्रदेश, फरीदा वो दीप हित

(2) निम्नलिखित द्वीपो हित :—

असेन्थन, द्विहजना इन एमो बड़ ; नाइटोन, गफ

(3) मुख्य दीप भूद, अफ्बा, बोनाइरे, ब्यूरोकोओ, तहा, सेन्ट-
 हेलेना और द्वीप (2) बो डोनो एण्ड प्रिसेप

4. अफ्रिकी अमेरीका

अजंटाना
 चिली
 कांतिसी युवाना
 पीरु
 बोलिविया
 कोलम्बिया
 गुयाना
 सुरिनाम
 अंगोला
 फालक लैण्ड द्वीप समूह
 पराग्वे
 उर्त्तरे

5. मध्य-पूर्वी एशिया

बहुरीन
 लेबनान
 यूमाण्टिड अरब अमिरात (3)
 ईजराइल
 अर्पन
 यमन अरब गणतंत्र
 जोर्डन
 तिर्किया अरब गणतंत्र
 यमन अरबादी का

6. भूमि प्रार (4)

7. दक्षिण एशिया
 अफगानिस्तान
 यमनी

भेदाल
बांसला देश
भारा
पाकिस्तान
भूटान
माल द्वीप
थों लंका
१. मुकुर पूर्वी एशिया
गढ़ी
कोरिया गणराज्य
भैतियां
विष्णुनाम गणराज्य
हांगकोंग
लाओस
फिलिप्पाइन्स
विष्णुनाम जनवादी गणराज्य
लामेर गणराज्य
मकांग्रे
निमौर
२. ओसिनिया
कोला द्वीप समूह
फेसिसी प्रौद्योगिकी (५)
न्यू इंडियन्स (प्रौद्योगिकी
पापुआ न्यू गिनी
वालिस और फ़ुनाना
किंजा
भारू
नियु
सोलोमन द्वीप समूह (आ
प्रौद्योगिकी सांगोवा
गिल्बर्ट और इलाइस द्वीप
न्यूकेलिन्डीन्स।
पैसिफ़िक द्वीप समूह
(संयुक्त राज्य (६)
टैगा
३. यूरोप
स.हप्पस
म.ल्टा
यगोल्साविया
जिब्राल्टर
स्पेन
ग्रीक
तार्फी

- (1) मूल्य द्वीप एस्ट्रिगुवा, शोमिलिका, प्रसेडा, सेन्ट किट्स (सेन्ट किट्सोंहो) लैविं अंगूहाता, सैन्ट लुसिया और सेन्ट फ्रिड्रिक्स
- (2) मेन शाहीरेख, शोलेसरत, सेमान, तुर्की और वाह्कोस और विटिम बरजिन द्वीप समूह।
- (3) अजमन, दुबई फूजाहरत, रात घस सेमाह, शरजाह और उम घस घेसेन

(4) भक्त और विभिन्न सत्त्वतात् और भवीतात् लहित ।

(5) सोसायटी प्राइवेट समूह (साहिती समूह) को शामिल करने वाले अस्ट्रल द्वीप समूह, दुआमोड़, जामिनगर प्रप्त और मारेसप्प द्वीप समूह ।

(6) वैगिक द्वीप समूह की द्रुस्त प्रदेश, कारोलीन द्वीप समूह, मर्स द्वीप समूह और मेरिन द्वीप समूह (गाम को छोड़कर)

(क) 2-मो पी ई सी के सदस्य मा सहयोगी वेत्ता
प्रलीलिया
वेष्टोन
वेष्टुइस
ब्रुवैत
घान् घानी
बीलियिया
नाइजीरिया
ईरान
कतार
हड्डोनेपिया
लीवियाई अरब गणतंत्र
एक्सवेहोर
इराक
सऊदी अरब

प्राचीन- 2

शाधिकार पड़ा जाए करने के लिए धारेवन-पठन

सहायता सेल्स तथा सेल्स परिक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, भारतीय कार्य विभाग,
प.सी.ओ. बैंक विलिंग्ह, प्रथम मंजिल,
पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विषय : यैन कैलिट सं. आईडीपी (1985-86 के लिए परियोजना सहायता)
के अंतर्गत अपान से
का लाभ।

भाषण, कपर उल्लिखित येन नैटिट स. भाईठी (परियोजना सहायता) के अधीन से - को प्राप्त के संबंध में - (बैंक का नाम) - जो कि वही होना चाहिए औ तीव्रे (३) में संबंध समझापार संभरक के नाम में साख-पत्र खोलने के लिए दिया दिया गया है, को प्राविकार पत्र आरी करने के लिए इम भाषपको निम्नलिखित रूपे प्रस्तुत करते हैं :-

(क) भारतीय भाषातक का माम और पता

(ख) भाषात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और भूम्य वह तारीख जिस सक ऐस है।

(ग) प्राप्ति के तरीके _____ क्या वह सीधे क्या या औपचारिक बूले अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर आधारित है? इसके मामने में यदि कोई कारण हो तो उसके सहित, यह सकेतात होना चाहिए कि क्या सविदा का निर्णय उपयुक्त तकनीक प्रस्ताव के आधार पर किया गया है?

(घ) मात का संक्षिप्त विवरण

- (क) माल का उद्दाम हैत।
- (ब) यदि कोई हो तो पात्र से भिन्न भौत देशों से आयातिन संभरकों का प्रतिशत।
- (छ) संविदा का कुल जहाज पर निःशुल्क मूल्य (वेत में)।
- (ज) यदि कोई हो तो भारतीय एजेंट के अभीशन की धनराशि (वेत में)।
- (झ) वास्तविक जहाज पर निःशुल्क नागर संवय भौत मूल्य (वेत में) जिसके लिए प्राप्तिकार पत्र मांगा गया है।
- (झ) समुद्रपार के संभरकों के साथ की वह संविदा की संख्या एवं दिनांक।
- (ट) विदेशी संभरक का नाम, पता और राष्ट्रीयता।
- (ड) वे मुगतान जहाज और संभावित तिथियाँ जिनको संविदा के अंतर्गत भूगतान देय होंगी।
- (इ) सुपुर्दी को पूर्ण करने की प्रत्यावित तिथि।
- (इ) वैकं और इंडिया, टोकियो को भूगतान करने समय प्रस्तुत किये जाने वाले वस्तावेज (प्रत्येक बैंक की संख्या और उसका निपटान विवादोंहुए)।
- (ए) पोतलवान घनदेश बाहुनांसरण/पार्ट-लिपमेंट की अनुमति दी गई है या नहीं निविट कीजिए।
- (ए) भारत में ग्रायातक के बैंक का नाम और पता।
- (ए) यह उसी जाहाजें के अंतर्गत संविदा (संविदाएं) कर दी गई है और जापानी प्राप्तिकारियों को अधिभूतित करवी गई है, यदि हाँ तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य और वित अवालन का वह संदर्भ जिसके अंतर्गत ओई सीएफ. को इसे अधिभूतित किया गया है।
- (इ) यह साख-पत्र के संभालन और रख-रखाव के लिए बैंक और इंडिया, टोकियो को देय बैंक खर्च ग्रायातकों/या संभरकों वहन किए जाने हैं।
- (ए) ग्रायातक द्वारा वस्तावेज़ :—
“हम एतद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और दर से विदेशी संभरकों को किए गए भूगतान के मनुष्य रूप, को पूरा और सही जमा करने का वचन देते हैं। प्रत्येक निम्न भाल (ग्रायातिन सामग्री) की सुपुर्दी सौपने से पूर्व तत्काल ही धनराशियों जमा कराई जाएगी। विदेशी राष्ट्रीयता वालों की सेवाओं के लिए भूगतानों के सामले में, विए गए ज्यों ही विदेशी संभरकों के बीजक हमारे हांडा अनुमोदित कर दिए जाएं और संभरकों को भूगतान कर दिया जाए, ज्यों ही धनराशियों जमा करा दी जाए।”

मनुष्य-3

सं. एफ—
भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
प्राधिक कार्य विभाग

सेवा में,

बैंक और इंडिया,
टोकियो शास्त्रा
टोकियो (जापान)

नई दिल्ली

नियम: यह लेफ्टिनेंट (दरियोजना सदृश्यता) छठे करार से जारी ही है के अधीन सायात साख-पत्र खोलने के लिए प्राप्तिकार पत्र जारी करना।

नियम महोदय,

प्राप्तके बैंक के गाय 25-3-1980 को किए गए सामाजिकी की जाती के अनुसार प्राप्तकों एतद्वारा यथा मंलग्न व्यौरे के अनुसार सबै श्री— के नाम में—यह धनराशि के लिए प्रपत्रितैरीय साखपत्र खोलने के लिए प्राप्तिकृत किया जाता है।

2. प्राप्तके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साख-पत्र की प्रति ग्रामपत्र के बैंक ओई सीएफ, भारतीय द्वावास, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की जाए।

3. साख-पत्र की जाती के अनुसार प्राप्तके में संभरकों को भूगतान आपकी नियम से किया जाएगा भूगतान को आवश्यक पत्तावेज भेजकर किए गए भूगतान की प्रतिपूर्ति का दावा तत्काल करना चाहिए।

4. विदेशी संभरकों को भूगतान करने के बाए आपको—
(ग्रायातक के बैंकर का नाम और पता) को मूल पोतपरिवहन वस्तावेज (मोल तोल वाले) और अतिरिक्त वस्तावेजों का पूर्ण सैट और नकद भूगतान यदि कोई हो तो उसके सहित संभरकों को किए गए भूगतानों के लिए एविट एडवाइस की एक प्रति भेजनी चाहिए।

5. संभरकों को आपके द्वारा किए गए भूगतान की तिथि से और ओई सीएफ द्वारा उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिए आपकी देय व्याज प्रधार का निपटान आपके द्वारा भारत सरकार के लेवे को प्राप्तवी किए विना सामाधि बैंकिंग सूची के माध्यम से भारत में ग्रायातक के मंबद्ध बैंक के साथ किया जाएगा। बैंकों के मन्त्र व्यौरे जिसमें साखपत्र खोलने, रखवालाव करने और साखपत्रों को जारी रखने के लिए खर्च भी ग्रायातिन हैं कर्तव्यिक वे मात्रकाम्य इस तरीकों ने जानते हैं तंत्रित हैं और यदि कोई हो तो विदेशी संभरकों के बैंकों भी विदेशी संभरकों को ही देने पड़ें और इन लद अवाज द्वारा उत्तर भूगतान नहीं किया जायगा और इसनिए उन्हें सीधे ही संभरकों से प्राप्त किया जा सकता है। इस प्रकार ऐसे भूगतान की प्रतिपूर्ति का दावा ओईसीएफ में नहीं किया जा सकता है।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भूगतान किया जाता है और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाती है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रधार में इस मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए।

7. यह प्राप्तिकार पत्र अनुसार संभरकों के नाम में साखपत्र खोलने के लिए है इस मंत्रालय के विशिष्ट प्राप्तिकार के विनाइस प्राधिकरण के मद्देयोंने गए आपों के नए मंत्रालय या मालांतों में बाद में संगीतों का अनुपालन नहीं किया जाएगा।

8. यह प्राप्तिकार पत्र—
तक बैंक रहेगा।

9. कृपया टैके से संधिगत सभी पत्रावारों में और भूगतान प्रदर्शित करन वाली एडवाइस में भी प्रस्तुत अनुदेश पत्र के शीर्ष पर दी गई संख्या का हथाला दें।

भारतीय

लेवा प्राप्तिकारी)

प्रति निम्नलिखित को

1. ग्रायातक—
उनके/उनके संभरकों के संवर्ग में।
दिनांक के—
के संवर्ग में।

उससे अनुरोध है कि वे बैंकों से विनियम इस्तावेजों की डिलीवरी सेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से घंपने बैंकों के माड्यम से ग्राया-निम्नेप्रधार जमा कराने का प्रबंध करें। ग्रायात्र परिवित्रियों के

हा में परि माल की डिस्ट्रीब्यू री सीधे ही सोग शुक्र और पन्नत प्राविकारियों ने मूल पोललदान दस्तावेज भेजे बना हो प्रत कर ली जाती है तो डिस्ट्रीब्यू लेने से पूर्व ही निशेष किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रियों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही नेबंड बीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाए तो निशेष कर दिए जाएं। निशेष शीघ्रता और उचित रूप से न कर्तव्य पर लाइसेंस शर्तें के अनुरूप कार्रवाई की जा सकती है।

2. (1) आयातक के बैंकर—दिनांक—को यह आयात लाइसेंस—दिनांक—के संदर्भ में है। यह प्राविकारपत्र येन-क्रेडिट के अधीन आयातों को नियंत्रित करने वाली संविधि लाइसेंस शर्तों के अंतर्गत जारी किया जाता है कृपया लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचना/ग्रादेश का अवलोकन किया जाए और आयात/विदेशी भुगतानों से संविधित उचित कीर्तवाई की जाए।

(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्रतिनिधित्व करने पर विदेशी संभरक को बैन भुगतान के बराबर रूपये जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को भुकाई गई धनराशि के बराबर रूपये की भुगतान सर्वजनिक सूचना सं. 8-प्राईटीमी (पीएन) / 76, दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की मिश्रित दर पर की जाएगी प्रथम: 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक, दर से और इससे अधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत वार्षिक दर से अधिक जो कि संभरक को भुगतान की तारीख में बैंक ऑफ इंडिया की प्रतिपूर्ति की तारीख और जब समतुल्य रूपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाता है उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए गिना गया है उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 31-प्राईटी सी (पीएन) / 83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखों में जमा करना अपेक्षित है। व्याज दोनों दिनों के लिए देव है अर्थात् वह तारीख जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और यह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखों में रूपया जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाएगा उसे सूचित कर दिया जाएगा)। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमा शुक्र निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का सारा टैक दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

ये धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में चालान के दाहिनी ओर कोड सं. 5130000009 दर्शन हुए जमा करनी चाहें। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 184-ग्राई टी सी (पीएन) / 68 दिनांक 30-8-68, 233-ग्राई टी सी (पीएन) / 68, दिनांक 24-10-1968, 132-ग्राई टी सी (पीएन) / 71, दिनांक 5-10-71, सं. 74-ग्राई टी सी (पीएन) / 74, दिनांक 31-5-74 एवं सं. 103-ग्राई टी सी (पीएन) / 76, दिनांक 12-10-76 में दिए गए प्राविधानों की ओर दिलाया जाता है वह लेखाशीर्ष जिसमें रूपया जमा कराया है “के डिपाजिट्स एंड एडवांसेज—843-सिक्युरिटी डिपाजिट्स—डिपाजिट्स फार, परवेंजिंग एस्टेट्स एवं ड्राइवर परवेंज अंडर क्रेडिट/लोन एप्प्रीमेंट लोन कोम दि गवर्नरमेंट ऑफ जापान बिलियन येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. ग्राई टी पी-35 फार 1985-86 है।

जिन मामलों में तुल्य रूपया रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया; नई दिल्ली या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना सं. 132-ग्राई टी सी (पीएन) / 71, दिनांक 5-10-71 के अनुसार नकद जमा कराया है उसमें चालान के मूल रूप में एक प्रतिलिपि बैंक ऑफ इंडिया टोकियो शास्त्रा से प्राप्त सूचना दिलाया का पूर्ण विवरण देने हुए अपेक्षण पर यदि उनके द्वारा निम्नलिखित परे पर भेजी जाएगी —

महायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक

वित मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग),

पहली मंजिल, यू. सी. ओ बैंक बिलिंग,

समद मार्ग, नई दिल्ली-1 100001.

ये मामलों में तुल्य रूपया द्वारा निम्नलिखित सूचना सं. दिनांक 24-10-68 में यथा-उल्लिखित दर्शनी हुण्डी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त परे पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में जमा किए गए तुल्य रूपये का पूरा ब्यौग इस विभाग को भेजना चाहिए।

संभरक को भुगतान की तिथि से और ओह ई सी एक द्वारा उसकी प्रतिपूर्ति की तारीख तक के बीच के समय, के लिए बैंक ऑफ इंडिया को देय व्याज प्रभार सीधे ही आपके द्वारा भारत सरकार के लेखों को प्रभावी किए जिन सामान्य बैंकिंग शूलों के माध्यम से भारत में आयातक के बैंक के साथ निरटाएं जायेंगे।

3. निवेदक, ऋण विभाग-2,
समूद्र पार आर्थिक सहयोग निधि,
टेक्वासी म्यूडी बिलिंग,
4-1, ओहाटमेची 1-कोने,
चियेडा, कृ. टोकियो 100-जापान।

4. भारतीय द्रितावास, टोकियो।

5. अवर मन्दिब, जापान अनुबाग, वित मंत्रालय,
आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(लेखा प्रधिकारी)

अनुबंध-4

(ओह ई सी पूर्फ एल सी-1 प्रपत्र)

अपरिवर्तनीय साक्षण्य
(माल के लिए लागू)

दिनांक

मेवा में

प्रिय महोदय

यह माध्यपत्र (ऋगी) और विदेशी अर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार सं. दिनांक के अनुसरण में (संभरक का नाम और पता) जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम सुनिश्चित करते हैं कि हमारे नाम में निकालने के लिए बीजक के पूरे मूल्य के लिए दर्शनी हुण्डी द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए हमने अपरिवर्तनीय साक्षण्य सं. —— बोल दिया है जो —— दिन (—— दिन कह सकते हैं) की कुल धनराशि में अधिक नहीं है। इसे निम्नलिखित दस्तावेज के आंश भेजा जाना है:—

हस्ताक्षरित बाणिज्यिक बीजक

कलीन आन बोर्ड, समूद्री पीत लदान बिल जिसमें दिए गए आदेशों का पूरा सैट हो बैंक पृष्ठांकित एवं चिह्नित “फ्रेट एवं नोटिकाई” अन्य दस्तावेज जिसमें तक लदान का नत्यापन दिया गया हो। संविदा से (यदि कोई हो) के संदर्भ में संक्षिप्त विवरण आंशिक पोललदान स्वीकृत है। बाहनांतरण स्वीकृत है।

पोललदान बिल जो से बाद की तिथि का नहीं होना चाहिए। आदेशी को 19 तक शब्दय प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

इस क्रेडिट के अंतर्गत सभी ड्रॉप दस्तावेज पर यह अंकन होना चाहिए अपरिवर्तनीय साक्षण्य सं. —— दिनांक —— 19 के अंतर्गत निकलवाया गया और आयात संदर्भ सं. (मंग्याए) यदि कोई हो, यह क्रेडिट हस्तान्तरणीय नहीं है।

स्वास्थ्यात्मक बचन होते हैं कि इन केंद्रिय के अधीन भी इसी शर्ती का अनुमति लाने का नियम याएँ गए थीं इसाट प्रस्तुत करने पर प्रौद्योगिकी को दस्तावेजों का सुपुर्देशी पर विधिवत् स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा क्षमा ने विस्तारपूर्वक न बताया जाए कि केंद्रिय "यूनीफार्म कल्टम एंड प्रैक्टिक फार्म डाकूमेंट्स लेडिंग (1974 डिसेंबर) इंस्टर्नेशनल चैम्बर प्रॉफि कार्मस प्रैक्टिकेशन नं. 290" के अधीन है। भीड़ करने वाले वैक के लाए विशेष अनुदेश हैं :

उपर्युक्त अल्प करार के अन्तर्गत जारी किए गए बचन प्रक्रिया की अवस्थाओं के अनुमार विदेशी आधिक सम्बोधन नियम द्वारा अन्यां भूगतान के लिए प्रतिरूप बाल्य करने के बाद हम बचन हेतु हैं कि हम सौदा करने वाले वैक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुमार हृष्टी की व्यवस्था को लौटाव देंगे।

2. जीदा करने वाले वैक को यह बताने तुम्हे कि हम इसाट प्रौद्योगिक दस्तावेजों का एक पूर्ण सेट और इसके साथ एक प्रगाणपत्र अवधार भेजें कि शेष दस्तावेज़ भी द्वारा जारी किए गए अनुदेशों को अनुमार हृष्टी की व्यवस्था को भेज दिए गए हैं।

3. इस केंद्रिय के अन्तर्गत सभी वैक ने उन्हें आवाजनक/भाग्यक के लिए किए हैं।

भवदीय,

(— — — — —)

वाणिजिक वैक

द्वारा

प्राप्तिकृत दस्तावेज़

भूगतान जन्म

यह भूगतान हमारी साक्षात् सं—का अधिक्ष अंग है। 1. प्रारंभिक भूगतान

अन्तर्गत—ये ने जो कि कुल संविदा मूल के—प्रतिशत है।

ग्रोविन दस्तावेज़ प्रस्तुत करने की अन्तिम नियम

2. मध्यवर्ती भूगतान
(यदि कोई हो)

अन्तर्गत—ये ने जो कि कुल संविदा मूल का—प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज़
प्रस्तुत करने की अंतिम नियम

3. प्रतिशत दस्तावेजों
के महे भूगतान

अन्तर्गत—ये ने संविदा के कुल मूल का—प्रतिशत है।

निष्पाणी: प्रतिशत दस्तावेजों के महे पुर्ण भूगतान ने सामने में हम संतान दस्तावेज़ की आवश्यकता नहीं है।

अनुबन्ध-३

(ओई सी एफ एल सी प्रपन-२)

प्रारिवर्तीनीय साक्षात्

(मेजाओं के लिए लागू)

दिवाकि

देश के,

इस माध्यम से भी और विदेशी आधिक सम्बोधन लिये जीव तथा अल्प करार में

(भाग्यक का नाम य पता)

दिवाकि

के अनुमार में जारी किया गया है।

प्रिय मत्तोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में विकासों के लिए पूर्ण ध्यान और सूच्य के लिए लाभकारी इसाट एंड साइट डार्ट उन्नतवर्त रकम या रकमों के लिए प्राप्त काम में हमने प्रतिरिवर्तीय साक्षात् मॉ बोल दिया है जो ये न (ये न पहले) की कुल धनराशि से अधिक नहीं है।

इनमें संलग्न भूगतान अनुसूची के अनुमार ग्रन्तिन (मविदा और परियोजना) से संबंधित दस्तावेजों की नवी करता है भीदा, तथा करने के लिए इसाट में पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

सभी इसाट और इन्हावेज़ प्रतिरिवर्तीय साक्षपत्र मॉ वितानक के अन्तर्गत भूता लिए गए हैं, जो विनियत होते चाहिए।

यह केंद्रिय हरतान्तरणीय नहीं है।

हम एवं द्वारा बचन देते हैं कि इन केंद्रिय के अन्तर्गत इसकी शर्तों को अनुपालन में भूता गए सभी इसाट प्रस्तुत करने पर और आदेशिनी की सुपुर्देशी पर विधिवत् स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा स्पष्ट से विस्तारपूर्वक न बताया जाए, यह केंद्रिय "यूनीफार्म कल्टम एंड प्रैक्टिक फार्म डाकूमेंट्स लेडिंग (1974 डिसेंबर) इंस्टर्नेशनल चैम्बर आफ कामस न. 290" के अधीन है।

भीदा करने वाले वैक को विशेष भावित है—

इनमें संलग्न प्रपत्र के अनुमार कृष्णी और इसके ममोनीन अधिकारी इसाट जारी किए गए निष्पाण के सूल विवरण की प्राप्ति के पास्ता तु इस केंद्रिय के अन्तर्गत भूगतान इनमें संलग्न शीट में निर्धारित भूगतान अनुसूची के अनुमार किए जाने चाहिए। प्रारंभिक भूगतान के मामले में उपर्युक्त निष्पाण के विवरण के अनुसार वामकारी विवरण की आवश्यकता है।

आर उल्लिखित अल्प गम्भीरों के अधीन जारी किए गए अवनवद्धता पत्र के उपर्युक्तों के अनुगार विदेशी आधिक सम्बोधन लिये जे अप्ते भूगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम इस्टार्टों की धनराशि का मोल तोल करने वाले वैक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसूच अप्रेक्षित करने का बचन हेतु है।

3. उपर्युक्त मद । में याएँ उल्लिखित दस्तावेज़ की एक प्रति और मसौदे हमें उसकी प्राप्ति के तुरात बाब छोड़ भेजे जाएंगे।

4. हम साक्ष के अन्तर्गत बैंक के यारी व्यावर्त संभरकों के लिए है।

भवदीय,

(वाणिजिक वैक)

द्वारा

(प्राप्तिकृत दस्तावेज़)

भूगतान अनुसूची

यह भूगतान अनुरूपी हमारे साक्षात् सं—का एक अधिक्ष अंग है।

विविह अवदेश :—

प्राचीनिक विद्यालय या विद्यालय वैसंग संवाद पत्रे हैं द्वारा प्राप्त।

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

Public Notice 201-UTC(PN)'85-88

New Delhi, the 16th July, 1987

Subject.—Licensing conditions in respect of import of equipment and services under the Yen Credit of Yen 8,025 Billion for the implementation of the Teesta Canal Hydro Electric Project of the West Bengal State Electricity Board (W.B.S.E.B.) extended by the Overseas Economic Co-operation Fund (OECF) of Japan.

F. No. IPC/23(34)/85-88.—The terms and conditions governing imports under the Yen Credit of Yen 8.025 billion for implementation of the Teesta Canal Hydro Electric Project of the West Bengal State Electricity Board extended by the Overseas Economic Co-operation Fund (OECF) of Japan, as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

Sd¹⁻¹

R. L. MISRA, Chief Controller
of Imports & Exports

S. P. DHUPAR, Dy. Chief Controller
of Imports & Exports

Appendix to the Ministry of Commerce Public Notice
No. 201 ITC(PN) 85-88 dt. 16 July, 1987.

Licensing conditions in respect of import of equipment and services under the Yen Credit of Yen 8,025 Billion for the implementation of the Teesta Canal Hydro Electric Project of the West Bengal State Electricity Board (W.B.S.E.B.) extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan.

Section I—General Conditions

1 (i) The Yen Credit of 8,025 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Teesta Canal Hydro Electric Project of West Bengal State Electricity Board is united in favour of Japan and developing countries including India. Accordingly the goods and services to be procured under the credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-1 which will be eligible source countries under the credit.

J (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD/CG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 8.83 billion (CIE).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)/74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and

the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P. 40". The first and second suffix to the licence code will be "S JC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to West Bengal State Electricity Board which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

I (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of West Bengal State Electricity Board on CIF basis.

I (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 8.83 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I (v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh licence may be referred to the Department of Affairs (Japan Section).

I (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (viii) Firm order must be placed on FOB, C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm Orders" means purchase orders placed by the Indian Licensee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond

8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs, (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi, who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the overseas supplier.

The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :

".....Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of.....".

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 30-6-1993.

Section II.—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II (i) The FOB, C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 300 million yen.

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for approval. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the evaluation report of pre-qualification,

notices and instructions to bidders, bid form, proposed contract, specification and drawings and other documents related to bidding will also be submitted to OECF for its review.

- (b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than yen 300 million prior approval of OECF is not required for award of contract on the condition that tenders lots are divided reasonably. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc., will be submitted to OECF for its review.
- (c) Consultants shall be employed in accordance with OECF Guidelines for Employment of Consultants. But prior approval of OECF shall be obtained to the following documents :—
 - (1) Terms of Reference
 - (2) Short List of Consultants
 - (3) Letter of Invitation
 - (4) Evaluation Report including Summary Evaluation Sheet.
 - (5) Draft Contract
- (d) The application documents mentioned in (a)(i), (a)(ii), (b) and (c) above will be submitted by the importer to Department of E.A., in duplicate, for submission to OECF.

II (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P. 40 for 1986-87 the details of which are given in Section VII below.

II (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of Supplier.—The supplier shall be nationals of the eligible source countries, or juristic persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II (vi) Permissible imports from non-eligible source countries.—Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than thirty per cent (30%) of the price per unit of such products in accordance with the following formula :—

**IMPORTED CIF PRICE + IMPORT DUTY × 100
SUPPLIER'S FOB PRICE**

(In case of Indian Supplier, Ex-factory price shall be adopted).

II (vii) Declaration in Contract.—The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in _____ (name of eligible source country)".

I the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than thirty per cent (30%) in accordance with the following formula :

**IMPORTED CIF PRICE + IMPORT DUTY × 100
SUPPLIER'S FOB PRICE**

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that _____ (Name of company) has been incorporated and registered in _____ (Name of eligible source country), and is controlled by nationals of _____ (name of eligible source countries concerned)".

Section III.—Conditions to be incorporated in the supply contracts.

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 18th December, 1986 concerning the Yen Credit No. ID-P. 40 (Project Aid) for Teesta Canal Hydroelectric Project.
- (b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P. 40 dated 18th December, 1986 between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).
- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Impor-

ters require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV.—Review of Contract by OECF.

IV (i) Within stipulated period for placement of firm orders the licensees should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Department of E.A.) will send Notice of conclusion of Contract alongwith a copy of the contract of OECF for its review. A copy each of the Notice will also be sent by Department of E.A. to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

Section V.—Payment to the Overseas suppliers— Letter of Credit Procedure.

V (i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs. The CAA & A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the Overseas Suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank of India and the CAA & A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA & A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo who will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his

bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt of an amount equal to one-tenth per cent (0.1%) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1 per cent is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank of India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V (v) Reimbursement Procedure.—Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

Section VI.—Responsibility for rupee deposit.

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S.B.I., Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee equivalents of the Yen payments calculated at the rate prevailing from time to time the present rate being 12 per cent per annum for the first 30 days and @ 18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)83 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)74 dated 31-5-74 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN) 76 dated 12-10-76 and Public Notice No. 31-ITC(PN)83 dated 10-8-83.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping

etc. document, by the importers Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 109-ITC(PN) 74 dated 3-8-1974 and 8-ITC(PN) 76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further LAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-843-Civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad-purchase under credits[Loan Agreements]" Loans from the Government of Japan—8.025 Billion yen credit No. ID-P. 40 for the Teesta Canal Hydroelectric Project.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN) 68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN) 68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN) 71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN) 74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN) 76 dated 12-10-1976.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) while filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN) 71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances

and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans:—

- Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- Amount of yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note.—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VIII.—Miscellaneous Provisions.

VIII (i) Reports on utilisation of the import licence.—The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts & Audit, UCO bank building, Parliament Street, New Delhi.

VIII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions.—The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes.—It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VIII (iv) Future Instructions.—The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P. 40 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECD).

VIII (v) Breach or violation.—Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VIII (vi) List of Annexures:

Annexure I List of eligible source countries.

Annexure II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure III Form of Letter of Authority.

Annexure IV Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure V Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

ANNEXURE—I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt

Morocco

Tunisia

Senegal

Seychelles

Sierra Leone

Somalia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola

Benin

Botswana

Burundi

Cameroon

Cape Verde Islands

Central African Rep.

Chad

Comoro Islands

Congo, People's Republic of Dahomey

Equatorial Guinea (1)

Ethiopia

Gambia

Ghana

Guinea

Ivory Coast

Kenya

Lesotho

Liberia

Malagasy Republic

Malawi

Mali

Mauritania, Mauritius

Mozambique

Niger

Portuguese Guinea

Reunion

Rhodesia

Rwanda

Sudan

Swaziland

Terro, Afars and Issas

Togo

Uganda

Un. Rep. of Tanzania

Upper Volta

Zaire Republic

Zambia

St. Helena and dep (2)

Sao Tome and Principle

III. AMERICA, North and Central

Bahamas

Barbados

Belize

Bermuda

Costa Rica

Quba

Dominican Republic

El Salvador

Guadeloupe

Guatemala

Haiti

Honduras

Jamaica

Martinique

Mexico

Netherlands Antilles

Nicaragua

Panama

St. Pierre & Miquelon

Trinidad and Tobago

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea including the island of Fernando PO;

(2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough,

(3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba, St.

III. AMERICA, North & Central

West Indies (Br.) n.i.e.

(a) Associated States (1)

(b) Dependencies (2)

IV. AMERICA, South

Argentina

Bolivia

Brazil

Chile

Colombia

Falkland Islands

French Guiana

Guyana

Paraguay

Peru

Surinam

Uruguay	Gibraltar
V. ASIA, Middle East.—	
Baharain	Greece
Israel	Malta
Jordan	Spain
Lebanon	Turkey
Oman	Yugoslavia
Syrian Arab Republic	
United Arab Emirates (3)	1. Main Islands : Antigue, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Caristophe), Nevis -Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
Yemen Arab Republic	2. Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.
Yemen, People's D.R. (4)	3. Ajman, Dubai, Fugairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.
VI. ASIA South	4. Including Aden and various sultantes and emirates.
Afghanistan	5. Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.
Bangladesh	6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam.)
Bhutan	
Burma	
India	(a2) Member of Association Countries of OPEC
Maldivis	Algeria
Nepal	Bolivia
Pakistan	Libyan Arab Republic
Sri Lanka	Gabon
VII. ASIA, Far East.—	Nigeria
Brunei	Ecuador
Hong Kong	Venezuela
Khmer Republic	Iran
Korea, Republic of Lub	Iraq
Laos	Kuwait
Macao	Qatar
Malaysia	Saudi Arabia
Philippines	Abu Dhabi
Singapore	Indonesia.
Taiwan	
Thailand	
Timor	
Viet-Nam, Rep. of	
Viet-Nam, Dem. Rep.	
VIII. OCEANIA.—	
Cook Islands	
Fiji	
Gilbert & Ellice Is.	
French Polynesia (5)	
Nauru	
New Calendonia	
New Hebrides (Br. and Fr.)	
Nine	
Pacific Islands (US) (6)	
Papua New Guinea	
Solomon Islands (Br.)	
Tonga	
Wallis and Futuna	
Western Samoa	
IX. EUROPE	
Cyprus	

ANNEXURE-II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No. Date

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
 Ministry of Finance,
 Department of Economic Affairs,
 UCO Bank Building, 1st Floor,
 Parliament Street,
 New Delhi—110001.

Sub: Import of _____ from _____ under the
 Yen Credit No. 1D—P— (Project Aid
 for 198—8).

Sir,

In connection with the import— from _____ under the above mentioned Yen Credit No. ID-P _____ (Project Aid) we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the _____ (name of the Bank) which should be the same as given in (P) below for opening a letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer.
- (b) Number date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement-whether it is based on direct purchase or formal open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from non eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/ C&F value of contract (in Yen)
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address of the Overseas supplier :
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in india.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the Importers/ or supplier.

(s) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers."

ANNEXURE-III
(Letter of Authority form)

No. F.

Government of India
Ministry of Finance

Department of Economic Affairs
New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan).

Subject : Import under Yen Credit (Project Aid)
Loan Agreement No. ID-P..... Issue
of Letter of Authority for opening Letter of
Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-3-80 entered into with your Bank, you are hereby authorized to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yen favouring M/s. as per attached details.

2. A Copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to(Name and address of the importers' Bankers) the original shipping documents (Negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you

by the OECF, shall be settled by you with the concerned Importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier/Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto.....

9. Please quote the number given at the top of of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,
(Accounts Officer)

Copy forwarded to:-

1. Importer.....with reference to their letter No.....dated

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payments. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. (i) Importers' Banker....This has reference to import Licence no.—dated—. This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen credit. The licensing conditions and connected Public Notices/orders etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

2.(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the public Notice No. 8- ITC (PN)/76 dated 17-1-1976 or such other public Notices as may be issued from time to time, Interest @12% per annum for the first thirty days and at the rate of 18% per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/ date of reimbursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account is also required to be deposited into the Government of India Account in terms of public Notice No. 31 ITC (PN) 83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the overseas Suppliers and also the date on which rupee deposits is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and when made.) It should be ensured that these deposits are made before the originals set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection, their attention is also invited to the provisions of the public Notices No. 184— ITC (PN)/68 dated 30-3-68, 233—ITC (PN)/68 dated 24-10-1968, 132—ITC (PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74—ITC (PN)74 dated 31-5-1974 and No. 103 ITC (PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances-843-Civil Deposits-Deposit for purchases, etc. abroad under Purchases under Credit/Loan Agreements"—Loans from the Governments of Japan billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P. for 198—8.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132 ITC (PN)/71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor UCO Bank Building Parliament Street, New Delhi-110001.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

3. The Director Loan Department-II, Overseas Economic Co-operation Fund, Takebashi Gode Building, 4-1 Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer.

ANNEXURE-IV
Form OECF-LC I

Irrevocable Letter of Credit
(Applicable for goods)

Date :

This letter of Credit has been issued pursuant to Loan

To _____

Agreement No. _____

Dated _____

between (Borrower) and
THE OVERSEAS
ECONOMIC CO-OP-
ERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Y (Say Yen) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify"
Other documents

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. (if any) from to Partial shipments are permitted. Transhipment is permitted. Bills of lading must be dated not later than Drafts must be presented for negotiation not later than All Drafts and documents under this credit must be marked _____

"Drawn under irrevocable credit No., dated and Import Reference No. (s) (if any)

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision,) International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank:

1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.
2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct.
3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

.....
(a commercial bank)

By
(Authorized Signature)

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our Letter of Credit No.

I. Initial Payment

Amount : Y
being % of the total
contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

II. Intermediate Payment (if any)

Amount : Y
being % of the total
contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

III. Payment against Shipping Documents

Amount : Y _____
being _____ % of the total
contract price.Note :—This attached sheet is not required in case
of full payment against shipping documents.ANNEXURE-V
Form OECF-LC IIIrrevocable Letter of Credit
(Applicable for Services)

To

Date :

This Letter of Credit has
been issued pursuant to
Loan Agreement No. _____(Name and address of
the Supplier)dated _____
between (Borrower) and
THE OVERSEAS
ECONOMIC CO-
OPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. in your favour for account of _____ for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Y _____ (Say Yen _____) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. with regard to Project). Drafts must be presented for negotiation not later than _____.

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No."

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached

hereby, payment(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.

2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS-ECONOMIC CO-OPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.
4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By :

(Authorized Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No.

I. Initial Payment

Amount : Y _____
being _____ % of the total contract
price
Required documents : beneficiary's Statement
Latest presentation date :

II. Progress Payment

Aggregate amount : Y _____
being _____ % of the total
contract price to be paid as follows:

Amount due Latest presentation

1st Instalment : Y _____

2nd Instalment : Y _____

Required document : A copy of Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority), a form of which is attached hereto.

Statement of Performance

Date :

Ref. No.

To

(Name and address of the Supplier)

Re : Letter of Credit No. _____, dated _____
 issued by _____
 for Y _____ in favour
 of _____ concerning _____
 Project under Loan Agreement No. _____

I, the undersigned, representing (Borrower),
 hereby issue a Statement of Performance to entitle
 _____ to receive the sum of Y _____
 (Yen _____ only) from THE OVERSEAS

ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance
 with the Payment Terms stipulated in the Contract No., dated
 between and

(Borrower)

By :

(Authorized Signature)

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be
 stated in the sheet attached hereto.